A-0410

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

DVS-101

वास्तुशास्त्र का परिचय व स्वरूप

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. वास्तुशास्त्र के उद्भव एवं विकास पर विस्तृत आलेख लिखिए।

Q.2. वास्तुशास्त्र के प्रवर्तकाचार्यों पर सुविस्तृत प्रकाश डालिए।

Q.3. वास्तुशास्त्र में प्राकृतिक शक्तियों एवं **पञ्चमहाभूतों** के समन्वयम पर समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

Q.4. भूमि के प्रशस्त एवं निषिद्ध लक्षणों का सचित्र वर्णन कीजिए।

Q.5. वास्तुशास्त्र के नियमानुसार भूमि एवं भूखण्ड के चयन सिद्धान्तों की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. वास्तुशास्त्र की परिभाषा एवं प्रकार पर चर्चा करते हुए इसका सक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए।

Q.2. वास्तुशास्त्र का प्रयोजन स्पष्ट कीजिए।

Q.3. दिक्साधन की विधियों पर प्रकाश डालिए।

Q.4. देश एवं काल विवेचन पर संक्षिप्त आलेख लिखिए।

P.T.O.

Q.5. वीथियों के लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

Q.6. सोदाहरण भूमि के प्रकार प्रस्तुत कीजिए।

Q.7. भूखण्ड चयन में शल्योद्धार पर समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

Q.8. आचार्य सूत्रधार मण्डन व राजा भोजदेव तथा उनकी रचनाओं के विषय में विस्तार से परिचय प्रदान कीजिए।

****